Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 08-12-2006
Participants : Singh Shri Prabhunath,Singh Shri Ajit Kumar

an>

Title: Regarding collapse of a bridge under construction on river Sone between Barun and Dehri-on-Sone in Aurangabad district in Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) :अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण चतुर्भुज योजना के अंतर्गत कोलकाता से दिल्ली मुख्य मार्ग बन रहा था, जिसमें बारुन और डेहरी आन सोन के बीच एक पुल का निर्माण भी हो रहा था। वह पुल एक हफ्ते के अंदर देश और देश की जनता को समर्पित करना था। लेकिन छः तारीख को पुल का एक भाग ध्वस्त हो गया। पुल के ध्वस्त होने के बाद मेरी वहां के स्थानीय लोगों से दूरभाा पर जो बात हुई, उसके अनुसार 31 से ज्यादा मजदूर उसमें दबे हुए हैं और तीन लोगों की लाशें वहां पर कल निकाली गई हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि यह एक मानवीय भूल है। हम लोग एन.एच.ए.आई. पर बहुत गर्व करते हैं कि वह देश में अच्छा काम कर रहा है। लेकिन इस तरह की घटना से एन.एच.ए.आई. भी संदेह के घेरे में आ गया है। वहां जो कम्पनी काम कर रही है, निश्चित तौर पर हम जानबूझकर नहीं बोल सकते, लेकिन इतना जरूर बोल सकते हैं कि उसने लापरवाही से काम किया, जिसका परिणाम यह निकला है।

हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहते हैं कि जो मजदूर उसमें दबकर मर गये हैं, उनके परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये और जो लोग उसमें घायल हुए हैं और अस्पतालों में भर्ती हैं, उनके परिवारों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और जो लोग इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ जांच कराकर उन पर मुकदमा किया जाए और उचित कार्रवाई की जाए, यही हमारी सरकार से मांग है।

अध्यक्ष महोदय :

श्री अजीत कुमार सिंह को इस मामले से एसोसिएट किया जाता है।